आकाशवाणी श्री विजयपुरम

दिनांक : 17.05.2026 समय : 0705

<><><><><><><>

1. महान सम्राट राजेन्द्र चोल प्रथम के ग्यारहवीं शताब्दी के ताम्रपत्र–प्रधानमंत्री मोदी को भेंट करने के साथ ही भारत और नीदरलैंड्स के सांस्कृतिक सम्बंधों में एक नया ऐतिहासिक अध्याय जुड़ा।
2. अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस पर भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण द्वारा कल आम जनता को जनजातीय विरासत के बारे में जानकारी दी जाएगी।
3. राजधानी श्री विजयपुरम मे आपदा प्रबंधन निदेशालय की पहल पर अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप कार्यशाला का आयोजन किया गया।
4. भारी वर्षा और समुद्र में तेज़ हवाओं के कारण द्वीपसमूह के तटों पर मछुआरों को बीस मई तक न जाने की सलाह दी गई है।

<><><><><><><>

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि भारत और नीदरलैंड वैश्विक संकटों से निपटने के लिए भरोसेमंद, पारदर्शी और भविष्य की आपूर्ति व्यवस्था तैयार करने पर साथ मिलकर काम कर रहे हैं।पांच देशों की अपनी यात्रा के अंतर्गत कल नीदरलैंड के हेग में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि ये दशक आपदाओं का दशक बन गया है।

टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स और नीदरलैंड्स की सेमीकंडक्टर उपकरण निर्माता कंपनी एएसएमएल ने भारत में चिप निर्माण को बढ़ावा देने के लिए साझेदारी की है। इस समझौते की घोषणा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नीदरलैंड्स यात्रा के दौरान की गई। श्री मोदी को कल नीदरलैंड्स में लीडेन विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने 11वीं शताब्दी की ऐतिहासिक चोल ताम्रपत्र भेंट किए। इन अमूल्य कलाकृतियों की वापसी दोनों देशों की सांस्कृतिक सहयोग और विरासत बहाली के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण अवसर है। ताम्रपत्रों के इस संग्रह में 21 बड़े और तीन छोटे ताम्रपत्र शामिल हैं। यह चोल राजा राजेंद्र चोल प्रथम की मुहर लगी एक

कांस्य अंगूठी से बंधे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पांच देशों की अपनी यात्रा के तीसरे चरण में आज स्वीडन में रहेंगे।

<><><><><><><>

भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण के श्री विजयपुरम स्थित क्षेत्रीय मानव विज्ञान संग्रहालय में कल अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर संग्रहालय आम जनता के लिए खुला रहेगा। इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय दिवस की वैश्विक थीम 'विभाजित विश्व को एकजुट करते संग्रहालय' रखी गई है, जिसका उद्देश्य संग्रहालयों की भूमिका को संवाद, आपसी समझ, समावेशिता और विभिन्न समुदायों के बीच सांस्कृतिक सौहार्द के महत्व को समझाना है। कार्यक्रम के तहत सुबह 11.30 बजे से विशेष भ्रमण आयोजित किए जाएंगे। इस दौरान संग्रहालय के अधिकारी और विशेषज्ञ आगंतुकों को विभिन्न प्रदर्शनों से परिचित कराएंगे तथा द्वीपों की जनजातीय संस्कृति और मानव विज्ञान संबंधी महत्व की विस्तृत जानकारी प्रदान करेंगे। भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार ने नागरिकों, विद्यार्थियों, शोधार्थियों, पर्यटकों और संस्कृति प्रेमियों से कार्यक्रम में भाग लेकर आयोजन को सफल बनाने की अपील की है।

<><><><><><><>

कैंपबेल बे में टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत चलाए जा रहे 100 दिवसीय अभियान के तहत 13 से 15 मई तक आयुष्मान आरोग्य शिविर के माध्यम से लिटिल निकोबार द्वीप के अफरा बे और पिल्लोउ और चिंगेन गांव, शास्त्री नगर तथा जीआरईएफ कैंप में दूरस्थ एवं दुर्गम क्षेत्रों में रहने वाले संवेदनशील आबादी वर्ग के लिए स्वास्थ्य पहुंच गतिविधियां आयोजित की गईं। इन कार्यक्रमों का आयोजन ग्राम कप्तानों की उपस्थिति में किया गया। स्वास्थ्य टीम ने लाभार्थियों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के लिए नाव, डिंगी और हूडी के माध्यम से यात्रा की। स्वास्थ्य दल में डॉ. राजेश्वरी, चिकित्सा अधिकारी आयुर्वेद सहित अन्य चिकित्सक उपस्थित रहे। कार्यक्रमों के दौरान संवेदनशील आबादी में टीबी की शीघ्र पहचान के लिए एक्स–रे मशीन से जांच की गई। अभियान के दौरान कुल 109 लोगों की स्क्रीनिंग की गई। यह पहल निकोबार जिले के दूरस्थ एवं उपेक्षित समुदायों में सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने तथा टीबी के सक्रिय मामलों की पहचान मजबूत करने के प्रति स्वास्थ्य विभाग की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

<><><><><><><>

अंडमानं निकोबार प्रशासन के आपदा प्रबंधन निदेशालय द्वारा भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अंतर्गत हैदराबाद स्थित भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केंद्र के समन्वय से सचिवालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में 'सुनामी रेडी कार्यक्रम' पर वर्चुअल कार्यशाला आयोजित की गई। अंडमान निकोबार द्वीपसमूह की भूकंप और सुनामी जैसी प्राकृतिक आपदाओं के प्रति संवेदनशीलता को देखते हुए आयोजित इस कार्यशाला का उद्देश्य आपदा तैयारी और तटीय समुदायों की क्षमता को सुदृढ़ करना था। कार्यक्रम में आपदा प्रबंधन सचिव पल्लवी सरकार ने संस्थान द्वारा सुनामी रेडी कार्यक्रम के क्रियान्वयन में दिए जा रहे तकनीकी सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया तथा जिला प्रशासन, विभागीय प्रतिनिधियों, जनजातीय कप्तानों, पंचायत प्रतिनिधियों और समुदाय के सदस्यों से सक्रिय भागीदारी की अपील की। कार्यशाला में यूनेस्को के अंतर–सरकारी महासागरीय आयोग के अंतर्गत संचालित सुनामी रेडी कार्यक्रम की जानकारी दी गई, जिसका उद्देश्य तटीय क्षेत्रों में सुनामी से निपटने की तैयारी और सामुदायिक क्षमता को मजबूत करना है। कार्यक्रम में निदेशक डॉ. टी.एम. बालकृष्णन नायर तथा वैज्ञानिक एम.वी. सुनंदा और डॉ. बी. अजय कुमार ने तकनीकी सत्र को संबोधित किया। उन्होंने बताया कि अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह के 30 चिन्हित गांवों में कार्यक्रम लागू किया जा रहा है।

<><><><><><><>

मौसम विभाग के अनुसार अंडमान निकोबार द्वीपसमूह में आज एक या दो स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है। इस दौरान 7 से 20 सेंटीमीटर तक वर्षा दर्ज की जा सकती है। इसके साथ ही 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाओं के साथ आंधी और बिजली गिरने की भी संभावना जताई गई है। कल भी द्वीपसमूह के एक या दो स्थानों पर भारी वर्षा होने का पूर्वानुमान है। मौसम विभाग के अनुसार 19, 20, 21 और 22 मई को भी अंडमान निकोबार द्वीपसमूह के एक या दो स्थानों पर ऐसा ही मौसम रहने का पूर्वानुमान है। समुद्र में तेज हवाओं के प्रभाव को देखते हुए अंडमान एवं निकोबार तट तथा उससे सटे समुद्री क्षेत्रों में मछुआरों को 20 मई तक समुद्र में न जाने की सलाह दी गई है।

<><><><><><><>